Govt. Mankunwar Bai Art & Commerce Autonomous College For Women, Jabalpur (M.P.)

Theory Paper

Part A Introduction

Program: Honours/Research	Class : B.A.	Year: IV	Session: 2024-25

Subject: PHILOSOPHY

1	**Course Code**	**A4PHIL1T**
2	**Course Title**	Contemporary Indian Philosophy **(Paper I)**
3	**Course Type (Core Course/ Discipline Specific Elective/)**	Core Course –I
4	**Pre-requisite**	To study this course, a student must had this subject in Degree.
5	**Course Learning outcomes (CLO)**	1. This Course will enable the student to introduce with Dynamic field of Studies by contemporary Indian philosophers 2. The student will get an opportunity to study different valuable thoughts in the background of Great Indian Culture and Civilization. 3. After the completion of this course he will become a Good Critique, Writer, Teacher and Good Administrator for the society with the knowledge of Great Indian Culture and Civilization.
6	**Credit Value**	06
7	**Total Marks**	Max. Marks: 30 + 70 / Min. Passing Marks: 35

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures- 90 Tutorials-Practical (in hours per week):
L-T-P: P : 3 – 0 – 0 (per week)

Unit	Topics	No. of Lectures
I	1.Background of Contemporary Indian thought, 2. Nature and Characteristics of contemporary philosophy 3.Rajaram Mohan Roy- Establishment of Bhrahma Samaj and Tattvbodhini Sabha. 4. Concept of Universal Religion of Dr. Bhagwan Das. **Key Word** : Contemporary philosophy. Bhrahma Samaj. Tattvbodhini Sabha.	18
II	1. Main Teachings of Satyarth Prakash by Swami Dayanand Saraswati and Scientific Analysis of the Vedas. 2. Synthesis of all religions and self Realization by Shri Ram Krishn Paramhans. 3. Neovedant of Swami Vivekananda and Its Characteristics. 4. Concept of Maya,Brahma, Jiva and Jagat by Swami Vivekananda. Key Word : Satyarth Prakash, Synthesis of religions,Neo Vedant.	18
III	1. Nature of Sachidanand according to Shri Aurobindo.	18

Department of Higher Education

	2. Descending of Bhagwat Satta and Dynamic Evolution of Shri Aurobindo. 3. Manav Dharma and Jagat Vichar of Rabindra Nath Tagore. 4. Karmyoga of Bal GangadharTilak. Key Word : Sachidanand. Karmyoga, Manav Dharma	
IV	1. Principle of Purity of Means and End (Goal) by Mahatma Gandhi. 2. Analysis of Ekdasha Vrata and Sarvodaya Vichar. 3. Religion and Society by Dr. Radhakrishnan. 4. RadhaKrishnan's thoughts regarding Intuition and Consciousness. Key Word : Means and goal Ekdasha Vrata	18
V	1. Spiritual Universal Vision of Iqbal 2.Metaphysics of Paramhansa Yoganand. 3.Concept of Freedom byJ.Krishnamurti. 4.Integral humanism of Pt. Deen Dayal Upadhyaya. Key Word : Integral humanism Spiritual universal vision	18

Keywords/Tags:

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

- Narvane Vishwanath., Modern Indian Thought Rajkamal Prakashan, Delhi 2003.
- Dr. S. Radhakrishnan.,Religion and Society, 1964.
- Lal B.K., Contemporary Indian Philosophy - Motilal Banarasi Das, Banaras 1999.
- Mahadev Prasad., Social Philosophy of Mahatma Gandhi – Haryana Hindi Granth Academy 1958.

Suggestive digital platforms/ web links

- https://www.nature.com/articles/142055a0
- https://nptel.ac.in/courses/109/101/1
- https://philpapers.org/browse/modern-indian-philosophy09101
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.442023/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.319713/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.429881/mode/1up?view=theatre
- https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.403237/mode/1up?view=theater

Suggested equivalent online courses:

Part D-Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30 Marks University Exam (UE): 70 Marks

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation (CCE)	Class Test Assignment/Presentation	30
External Assessment : University Exam Section Time : 03.00 Hours	**Section(A)** : Very Short Questions **Section (B) :** Short Questions **Section (C)** : Long Questions	70

Any remarks/ suggestions:

Department of Higher Education

शासकीय मानकुँवरबाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: आनर्स / शोध	कक्षा : बी. ए.	वर्ष: चतुर्थ	सत्र: 2024-25
विषय: दर्शन शास्त्र			

1	पाठ्यक्रम का कोड	A4PHIL1T
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	समकालीन भारतीय दर्शन (प्रश्न पत्र I)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/ डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव	कोर कोर्स–I
4	पूर्वपिक्षा (Prerequisite)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डीग्री में किया हो ।
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थी समकालीन दार्शनिकों के गतिशील अध्ययन के क्षेत्रों को जान सकेगा। 2. विद्यार्थी को महान भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की पृष्ठ भूमि में महान विचारों को जान पाने का अवसर प्राप्त होगा। 3. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी समाज के लिए भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के आलोक में एक अच्छा समीक्षक,लेखक, शिक्षक एवं प्रशासक बन सकेगा।
6	क्रेडिट मान	06
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या- 90, ट्यूटोरियल- 0, प्रायोगिक- 0 (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 3-0-0

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	1.समकालीन भारतीय चिंतन की पृष्ठभूमि 2.समकालीन दर्शन का स्वरूप एवं विशेषताएं । 3.राजा राममोहन राय- ब्रह्म समाज एवं तत्वबोधिनी सभा की स्थापना। 4. डॉ.भगवानदास की सार्वभौम धर्म की अवधारणा । कुंजी शब्द – समकालीन दर्शन, ब्रह्मसमाज, तत्वबोधिनी सभा।	18
II	1. स्वामी दयानंद सरस्वती के सत्यार्थ प्रकाश की मुख्य शिक्षा एवं वेदों की वैज्ञानिक व्याख्या। 2. श्री रामकृष्ण परमहंस का सर्वधर्म समन्वय एवं आत्मसाक्षात्कार । 3. स्वामी विवेकानंद का नव्यवेदांत एवं उसकी विशेषताएं। 4. स्वामी विवेकानंद का माया, ब्रह्म जीव एवं जगत विचार। कुंजी शब्द- सत्यार्थप्रकाश, सर्वधर्मसमन्वय, नव्यवेदांत।	18
III	1. श्री अरविंद के अनुसार सच्चिदानंद का स्वरूप। 2. भागवत सत्ता का अवरोहण एवं गत्यात्मक विकासवाद।	18

Department of Higher Education

	3. रवींद्रनाथ टैगोर का जगत विचार एवं मानव धर्म। 4. बाल गंगाधर तिलक का कर्मयोग। **कुंजी शब्द-** सच्चिदानंद, मानव-धर्म, कर्मयोग।	
IV	1. महात्मा गांधी का साधन एवं साध्य की शुचिता का सिद्धांत। 2. एकादश व्रतों का विश्लेषण एवं सर्वोदय विचार। 3. डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार धर्म एवं समाज। 4. डॉ. राधाकृष्णन के चेतना एवं अन्तःप्रज्ञा संबंधी विचार। **कुंजी शब्द-** साधन एवं साध्य, एकादश व्रत, अंतःप्रज्ञा।	18
V	1. इकबाल की आध्यात्मिक विश्व दृष्टि। 2. परमहंस योगानंद जी की तत्वमीमांसा। 3. जे. कृष्णमूर्ति के अनुसार स्वतंत्रता का प्रत्यय। 4. पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद। **कुंजी शब्द-** आध्यात्मिक विश्व दृष्टि, एकात्म मानववाद।	18

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- विश्वनाथ नरवणे, "आधुनिक भारतीय चिंतन",राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2003
- ठाकुर जयदेव सिंह, "आधुनिक भारतीय चिंतन की परंपराएं"।
- अशोक कुमार वर्मा, "स्वातंत्र्योत्तर भारत का दार्शनिक चिंतन", मोतीलाल बनारसीदास, 1963
- पुरुषोत्तम नागर, "आधुनिक भारतीय राजनीतिक एवं सामाजिक चिंतक", हरियाणा ग्रंथ अकादमी, 1972
- अलका अग्रवाल, "गांधी दर्शन विविध आयाम" (पॉइंट पब्लिशर जयपुर, 1999)
- डॉ .एस राधाकृष्णन, "प्राच्य धर्म एवं पाश्चात्य विचार", राजकमल प्रकाशन
- हृदयनारायण मिश्र, "समकालीन दर्शन", शेखर प्रकाशन सन, इलाहाबाद, 2000
- डॉ.लक्ष्मी निधि शर्मा, "समकालीन दर्शन", उत्तर प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, 1972
- विवेकानंद साहित्य 10 खंड रामकृष्ण मठ धंतोली नागपुर, 1999
- डॉ.बी.के लाल, "समकालीन भारतीय दर्शन", मोतीलाल बनारसीदास 1999
- परमहंसयोगानंद, योगीकथामृत,योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया, कोलकाता, 2015

1. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म /वेब लिंक

- https://www.nature.com/articles/142055a0
- https://nptel.ac.in/courses/109/101/1
- https://philpapers.org/browse/modern-indian-philosophy09101

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:

Department of Higher Education

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	30
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 03.00 घंटे	अनुभाग (अ): अति लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग (ब): लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

कोई टिप्पणी/सुझाव: